Ans. (c) – वृहत राजस्थान के एकीकरण हेतु मत्स्य संघ के शासको एवं जननेताओं ने 1949 में अपनी सहमति प्रदान पर दी। परन्तु धौलपुर के महाराजा उदयभान सिंह का कहना था कि यदि धौलपुर की जनता उत्तर प्रदेश के साथ विलीनीकरण के पक्ष में है तो धौलपुर को उत्तर प्रदेश के साथ मिला दिया जाए। जनता की राय जानने के लिए गृहमंत्री सरदार पटेल ने डा0 शंकर राव देव की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की। इस आयोग की रिपोर्ट पर 1मई 1949 को भारत सरकार ने मत्स्य संघ को बृहत राजस्थान में मिलाने हेतु प्रेस विज्ञप्ति जारी की।

763. राजस्थान के एकीकरण प्रक्रिया के समय मत्स्य संघ की वार्षिक आय कितनी थी-

(a) 26 लाख रुपये (b) 184 लाख रुपये
(c) 290 लाख रुपये (d) 324 लाख रुपये

ई्ंरं-2016 (ईंग्ह) -24.12.2016

Ans. (b) – राजस्थान के एकीकरण प्रक्रिया के समय मत्स्य संघ की वार्षिक आय 184 लाख रुपये थी। आजादी के समय राजस्थान में 19 रियासतें और 3 ठिकाना थे जिनका एकीकरण सात चरणों में सम्पन्न हुआ। प्रथम चरण में 18 मार्च 1948 को मत्स्य संघ जिसमें अलवर, भरतपुर, धौलपुर एवं करौली रियासतें शामिल हैं, राजस्थान का हिस्सा बना।

764. वृहत राजस्थान का महाराज प्रमुख किसे बनाया गया-

(a) जसवन्त सिंह (b) उदयभान सिंह
(c) भूपाल सिंह (d) भीम सिंह

Live Stock Assistant (Tsp Area)- 16.10.2016

Ans. (c) – वृहत राजस्थान का गठन राजस्थान एकीकरण के पाचवे चरण में 15 मई 1949 ई. को की गई थी। शंकराव देव समिति के सिफारिश पर मत्य संघ को वृह्तर राजस्थान में मिलाया गया। इसकी राजधारी जयपुर थी तथा महाराज प्रमुख भूपाल सिंह (मेवाड़) थे।

765. दक्षिणी राजपूताना के छोटे राज्यों को एकीकृत करने के लिए किसने 'हाड़ौती संघ' बनाने का प्रस्ताव दिया?

(a) एन.बी. गाडगिल
(b) महाराव भीमसिंह (कोटा)
(c) महाराव बहादुरसिंह (बूंदी)
(d) गोकुल लाल असावा

LDC Exam 09.09.2018

Ans. (b) – दक्षिणी राजपूताना के छोटे राज्यों को एकीकृत करने के लिए 'हाड़ौती संघ' बनाने का प्रस्ताव कोटा के शासक महाराज भीम सिंह ने दिया था। हाड़ौती क्षेत्र की तीन रियासतें कोटा, बूँदी, झालवाड़ को मिलाकर 'हाडौती संघ' का निर्माण करना चाहते थे। इस संघ में 9 राज्य-बांसवाड़ा, डुंगरपुर, प्रतापगढ़, कोटा, बूंदी, झालवाड़, किशनगढ़, शाहपुरा, और टोंक थे। बाद में मेवाड़ राज्य भी इसमें सम्मिलित हो गया।

766. राजस्थान के एकीकरण पूर्व राजस्थान में कितनी ''रियासतें'' और ''ठिकाने'' थे?

(a) 18 रियासतें, 4 ठिकाने
(b) 15 रियासतें, 6 ठिकाने
(c) 19 रियासतें, 3 ठिकाने
(d) 20 रियासतें, 3 ठिकाने

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) (डिप्लोमाधारक)-2020

Ans. (c) – राजस्थान के एकीकरण पूर्व राजस्थान में 19 ''रियासतें'' और 3 ''ठिकाने'' थे जबकि अजमेर मेरवाड़ केन्द्र शासित प्रदेश थे। ये 19 रियासतें थी-अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर, कोटा, बूंदी, झालावाड़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, टोंक, शाहपुरा, किशनगढ़, उदयपुर, जोधपुर, जयपुर, बीकानेर, जैसलमेर, सिरोही। इसी प्रकार तीन ठिकानों में लावा-जयपुर, नीमराणा-अलवर व कुशलगढ़-बाँसवाड़ा शामिल है।

767. 14 फरवरी, 1948 को भारत सरकार ने भरतपुर प्रशासन पर अधिकार करके भरतपुर राज्य प्रशासक किसको नियुक्त किया था?

(a) वी.पी. मेनन (b) शोभाराम
(c) उदयभार सिंह (d) एस.एन. सप्रू

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) (डिप्लोमाधारक)-2020

Ans. (d) – 14 फरवरी, 1948 को जब भारत सरकार ने भरतपुर प्रशासन पर अधिकार कर लिया तब एस.एन.सप्रू को भरतपुर राज्य का प्रशासक नियुक्त किया गया था। कर्नल ढिल्लो को राज्य की सेना का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

768. राजस्थान निर्माण के प्रथम चरण में मत्स्य संघ नाम रखने का सुझाव किसने दिया?

(a) पी. सत्यनारायण राव (b) के.एम. मुंशी
(c) एन.बी. गाडगिल (d) वल्लभभाई पटेल

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (b) – राजस्थान निर्माण के प्रथम चरण (18 मार्च 1948) में 'मत्स्य संघ' नाम रखने का सुझाव के.एम. मुंशी द्वारा दिया गया था। मत्स्य संघ के प्रधानमंत्री शोभाराम कुमाबत एवं राजप्रमुख महाराज उदयभान सिंह थे।

769. देशी रियासत, जो 25 मार्च, 1948 को गठित संयुक्त राजस्थान का हिस्सा नहीं थी-

(a) बूंदी (b) प्रतापगढ़
(c) उदयपुर (d) शाहपुरा

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Ans. (c) – राजस्थान का एकीकरण सरदार बल्लभ भाई पटेल के प्रयासों से संभव हो पाया था। 25 मार्च, 1948 को संयुक्त राजस्थान में कोटा, बूंदी, झालावाड़, टोंक, शाहपुरा, किशनगढ़, प्रतापगढ़, डूँगरपुर एवं बाँसवाड़ा का विलय किया गया। राजस्थान के एकीकरण के तृतीय चरण में 18 अप्रैल, 1948 को उदयपुर को शामिल किया गया। राजस्थान का एकीकरण 1 नवम्बर, 1956 को पूर्ण हुआ।

770. 'आर्थिक सशक्तीकरण के बिना राजनैतिक स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं' यह किसने कहा था?

(a) रतनदेवी शास्त्री (b) कमला स्वाधीन
(c) कल्याणी पाराशर (d) शान्ति त्रिवेदी

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Ans. (d) – शांति देवी का विचार था कि ''आर्थिक सशक्तीकरण के बिना राजनैतिक स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं है। इन्होंने 1947 ई. में उदयपुर में 'राजस्थान महिला परिषद' की स्थापना की। जी.डी.एच. कोल का कथन- ''आर्थिक समानता के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता एक भ्रम है।''